पाठ – 2 संसाधन के रूप में लोग

प्रश्न1.. – मानव पूंजी से आपका क्या तात्पर्य है ?

उत्तर – मानव पूंजी कौशल और उसमे निहित उत्पादन के ज्ञान का भण्डार है ।

प्रश्न2. – शिशु मृत्यु दर से आपका क्या तात्पर्य है ?

उत्तर – शिशु मृत्यु दर से हमारा अभिप्राय एक वर्ष से कम आयु के शिशुओ की मृत्यु से है ।

प्रश्न3. – जन्म दर से आपका क्या अभिप्रय है ?

उत्तर – जन्म दर से हमारा अभिप्राय एक विशेष अविध मे एक हजार व्यक्तियो के पीछे जन्म लेने वाले शिशुओ की संख्या है ।

प्रश्न4. – कौन से कारक जनसंख्या की गुणवता को बढाते है ?

उत्तर – 1. साक्षरता दर

2.लोगो का स्वास्थ्य

3. कौशल निर्माण

प्रश्न5. – सर्व शिक्षा अभियान क्या है ?

उत्तर – यह एक शिक्षा अभियान है जिसका उद्देश्य है कि 2010 तक 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के सभी स्कूली बच्चो को प्राथमिक शिक्षा अवश्य प्रदान की जाए ।

प्रश्न6. – शिशु मृत्यु दर को कैसे घटाया जा सकता है ?

उत्तर – शिशु मृत्यु दर को घटाने के निम्नलिखित रिण है :–

1. शिशुओ को संक्रमण से रक्षा की जानी चाहिए ।
2. बच्चो के लिए अच्छे भोजन और पोषण की वयवस्था की जानी चाहिए ।
1. माताओ को शिशु पालन मे प्रशिक्षित करना चाहिए ।

प्रश्न7. – बेरोजगारी से आप क्या समझाते है ?

उत्तर – बेरोजगारी उस समय विद्यमान कही जाती है जब प्रचलित मजदूरी की दर पर काम करने के इच्छुक लोग रोजगार नही पा सकते ।

प्रश्न8. – आर्थिक और गैर आर्थिक क्रियाओ मे कया अंतर है ?

उत्तर – धन या आय कमाने के उद्देश्य से की गई क्रियाएँ कहलाती है । इसके विपरीत अन्य उद्देश्यो जेसे प्यार , सहानूभूति, कर्तव्य, देशप्रेम के लिए की जाने वाली क्रियाएँ गैर आर्थिक क्रियाएँ कहलाती है ।

Downloaded from: http//:www.atpeducation.com Email-id: atpeducations@gmail.com ATP Education

प्रश्न9. – संसाधन के रूप मे लोग से आप क्या समझते है ?

उत्तर – संसाधन के रूप मे लोग से अभिप्राय देश के कार्यशील लोग है जिनमे निपुण्ता तथा योग्यता है । संसाधन के रूप मे लोग सकल राष्ट्रीय उत्पाद मे योगदान देते है । संसाधन के रूप मे लोग एक बड़ी जनसंख्या का सकरात्मक पक्ष है जिसका प्रायः अवहेलना की जाती है ।

प्रश्न10. – शिक्षित बेरोजगारी भारत के लिए एक विशेष समस्या है कैसे ?

उत्तर – भारत मे हर वर्ष 5 लाख युवक रोजगार की तलाश मे निकलते है जबकि भारत मे रोजगाार के अवसर निम्न है जिससे प्रतिवर्ष लाखो शिक्षित बेरोजगारो की सेख्या मे निंरतर वृद्धि होती चली जा रही है । अंतः शिक्षित बेरोजगारो की सेख्या मे बेतहासा वृद्धि एक समस्या है ।

प्रश्न11. – मानव पूंजी निर्माण मे स्वास्थ्य का क्या भूमिका है ?

उतर – मानव पूंजी निर्माण मे स्वास्थ्य का क्या भूमिका निम्नलिखित है ।

1. अस्वस्थ्य लोग किसी संगठन के लिए बोझ बन जाते है ।
2. स्वास्थ्य अपना कल्याण करने का एक अपरिहार्य अधार है।
3. स्वस्थ्य व्यक्ति ही सही सेवा प्रदान कर सकता हैं ।
4. स्वास्थ्य एक ऐसी दशा है जिसका सही होना देश के प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक है । क्योंकि स्वस्थ्य व्यक्ति लंबे समय तक सेवाएँ देता रहता है।

प्रश्न12. – मानव पूंजी निर्माण मे शिक्षा का क्या भूमिका है ?

उत्तर – मानव पूंजी निर्माण मे शिक्षा का निम्नलिखित भूमिका है :–

1. शिक्षा से सामान्य गण और सूझ बूझ मे वृद्धि होती है ।
2. शिक्षा से व्यक्तित्व निर्माण होता है ।
3. शिक्षा मनुष्य को विवकेशील तथा तर्कशील बनाती है ।
4. शिक्षा से मनुष्य के व्यवहार मे नम्रता आती है ।
5. शिक्षा से आय , लाभ , अर्जन की शक्ति मे वृद्धि होती है ।

प्रश्न13. – शिक्षित बेरोजगारी भारत के लिए एक समस्या है कैसे ?

उत्तर – भारत में हर वर्ष 5 लाख युवक रोजगार की तलाश में निकलते है, जबकि भारत में रोजगार के अवसर निम्न है जिससे प्रतिवर्ष लाखों शिक्षित बेरोजगारों की संख्या में निरंतर वृद्धि होती चली जा रही है । अतः शिक्षित बेरोजगारी की संख्या में बेतहासा वृद्धि भारत के लिए एक समस्या है।

Downloaded from: http//:www.atpeducation.com Email-id: atpeducations@gmail.com ATP Education

प्रश्न14. – किस पूँजी को आप सबसे अच्छा मानते है ? – भूमी, श्रम, भौतिक पूँजी और मानव पूँजी ? क्यों ?

उत्तर – मानव पूँजी सबसे अच्छी पूँजी हैं क्योंकि यह पूँजी लोगों की भौतिक क्षमता, निपुणता, ज्ञान, आदि जो उसे और अधिक उत्पादन में सहायता करते है, यह पूँजी श्रम, भुमी, भौतिक पूँजी से भी श्रेष्ठ है । इस पूँजी के बिना अन्य पूँजियाँ व्यर्थ है।

प्रश्न15. – प्रच्छन्न और मौसमी बेरोजगारी मे क्या अंतर है ?

उत्तर – प्रच्छन्न बेरोजगारी वह बेरोजगारी है जहाँ उन्हे काम तो मिलता है परन्तु उन्हे प्रच्छन्न रूप से काम पर रखा जाता हैं उनकी आवश्यकता ना के बराबर होती है। ऐसा प्रायः कृषिगत कार्य मे होता है । यदि इस व्यक्ति को हटा दिया जाए तो खेती की उत्पादकता मे कोई कमी नही आती ।

इसके विपरीत मौसमी बेरोजगारी तब होती है जब लोग वर्ष के कुछ महीनो मे रोजगार प्राप्त नही कर पाते । कृषि पर आश्रित लोग प्रायः इस तरह की समस्या से जूझते है । वर्ष मे कुछ वयस्त मौसम होते है जब बुआई कटाई निराई आदि होती है । कुछ विशेष महीनो मे कृषि पर आधारित लोगो को काम नही मिल पाता । अंतः साल के कुछ महीनो मे वे बेकार रहते है । इसे ही मौसमी बेरोजगारी कहते है ।

प्रश्न – आर्थिक और गैर आर्थिक क्रियाओं में क्या अंतर है ?

उत्तर –

आर्थिक क्रियाएँ	गैर–आर्थिक क्रियाएँ
1. धन या आय कमाने के उद्देश्य से की गई क्रियाएँ आर्थिक क्रियाएँ कहलाती है। 2. व्यवसाय, नौकरी, मजदूरी आदि ।	1. इसके विपरीत अन्य उद्देश्यों जैसे – प्यार, सहानुभूति, कर्तव्य, देशप्रेम के लिए की जाने वाली क्रियाएँ गैर–आर्थिक क्रियाएँ कहलाती है। 2. खाना पकाना, भाई बहन की देख भाल करना आदि।

Downloaded from: http//:www.atpeducation.com Email-id: atpeducations@gmail.com ATP Education